R.N.I No. : 59665/92 डाक पंजीयन संख्याः SSP/LW/NP/115/2021-2023

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज

जैन गज़ट

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 39 कुल पृष्ठ 08 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 15 अगस्त 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

1200 साल प्राचीन मैसूर के पास भ. पार्श्वनाथ मन्दिर पर उपसर्ग

दिगम्बर जैन मन्दिर को श्वेताम्बर मन्दिर बनाने की चेष्टा: तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं तीर्थ संरक्षिणी महासभा वरिष्ठ पदाधिकारी श्री विनोद बाकलीवाल मैसूर के प्रयासों से टला

डॉ. बिमल जैन

मैसूर। मैसूर के पास यम गुम्बा ग्राम स्थित पाषाण शिलाओं से निर्मित प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की 1200 साल पुरानी साढ़े 4 फीट की काले पाषाण से बनी मनोहारी खड्गासन प्रतिमा प्रतिष्ठित है। हाईवे से दूरी होने के कारण कम ही जैन श्रावक वहाँ पहुँच पाते हैं, लेकिन पूजा अभिषेक सेवादार पुजारी द्वारा नियमित रूप से होता है। सन् 1980 में कर्नाटक के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री देवराज उर्ष ने इस प्राचीन मन्दिर का जीर्णोद्धार कराया था। कुछ माह पूर्व दिगम्बर जैन समाज को अनभिज्ञ रखते हुए श्वेताम्बर मूर्तिपूजक समाज के कुछ लोगों ने मन्दिर का जीर्णोद्धार प्रारंभ कर दिया। 31 जुलाई 2022 को लगभग 200 श्वेताम्बर श्रावकगण यम गुम्बा मन्दिर में दो श्वेताम्बर आमनाय की मार्बल की मूर्तियाँ लेकर आये। उन्होंने हमारे पुजारी को उन्हें मन्दिर में प्रतिष्ठित करने को कहा। दिगम्बर जैन मन्दिर में श्वेताम्बर आमनाय की मूर्तियाँ स्थापित करने का पुजारी ने विरोध किया। श्वेताम्बर श्रावकों ने स्वयं ही दोनों मूर्तियाँ गर्भ गृह में विराजित मूलनायक प्रतिमा के

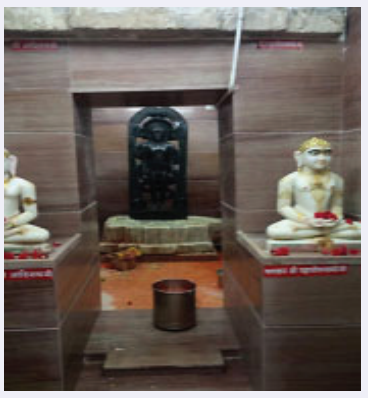

बाहर दोनों ओर स्थापित कर दीं। श्वेताम्बर श्रावक मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक करके वहाँ से दोपहर में वापस प्रस्थान कर गए। इस घटना की सूचना समीपस्थ समाज द्वारा मैसूर के श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष एवं भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी कर्नाटक अध्यक्ष श्री विनोद बाकलीवाल को दी गई। उन्होंने कनकगिरि के भट्टारक स्वस्तिश्री भुवनकीर्ति जी स्वामी से तुरन्त संपर्क किया और उनका सहयोग एवं मार्गदर्शन मांगा। उस समय भट्टारक स्वामी जी समीप के सालीग्राम में मानस्तम्भ के लोकार्पण समारोह में आये हुये थे। श्री विनोद बाकलीवाल मैसूर से स्वामी जी के पास पहुँचे। भट्टारक स्वामी जी ने चार श्रावकों को और साथ लिया और सब यम गुम्बा ग्राम पहुँचे। भट्टारक स्वस्तिश्री एवं श्री विनोद बाकलीवाल ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए मन्दिर के गर्भगृह के बाहर दोनों साइड में फिक्स की गई श्वेताम्बर आमनाय की दोनों मूर्तियाँ वहाँ से हटाकर सविनय हाल में पाटे पर रखवा दीं। उसी समय श्वेताम्बर समाज मैसूर के मन्दिर के ट्रस्टी व पदाधिकारी सहित लगभग 12 श्रावक-श्राविकाओं ने मन्दिर में प्रवेश किया। श्री विनोद बाकलीवाल ने वाक्चातुर्य से श्वेताम्बर पदाधिकारियों एवं श्रावकों को समझाया कि प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर में श्वेताम्बर मूर्तियाँ स्थापित करने का प्रयास जैन समाज में सौहार्द के विपरीत है और यह समाज हित में होगा कि मैसूर श्वेताम्बर समाज उन्हें सविनय वापिस ले जाकर उपयुक्त स्थान पर स्थापित करें। विनोद जी को सकल मैसूर समाज में सम्मान से देखा जाता है और उनके आग्रह को संकोच होते हुए भी मैसूर श्वेताम्बर समाज ने स्वीकार कर लिया और दोनों मूर्तियाँ तथा पूजा का सामान लेकर वहाँ से प्रस्थान कर गए। समाचार पाकर मैसूर क्षेत्र के दिगम्बर जैन समाज ने राहत की सांस ली और कर्नाटक दिगम्बर समाज में खुशी की लहर दौड़ गई।

ज्ञातव्य है कि श्री विनोद बाकलीवाल कर्नाटक के प्राचीन दिगम्बर जैन तीर्थों, मन्दिरों और पुरावशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए देशभर में विख्यात हैं। चाहे भगवान गोम्मटेश्वर बाहुबली महामस्तकाभिषेकों का अवसर हो या श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोल में कोई भी आयोजन हो, कर्मयोगी भट्टारक स्वस्तिश्री चारूकीर्ति जी महास्वामी हमेशा व्यवस्थाओं और विशेषकर भोजन जलपान व्यवस्था के लिए मैसूर से श्री विनोद बाकलीवाल को श्रवणबेलगोल बुलाते हैं। मूडबिद्री, हुमचा आदि में दिगम्बर जैन समाज का कोई भी वृहद आयोजन हो वहाँ की व्यवस्था श्री विनोद बाकलीवाल ही संभालते हैं। विशेषतया उनके द्वारा मैसूर से लाया हुआ चन्दन सुगन्धित हर्बल मिनरल वाटर सभी को बहुत भाता है। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिखरचन्द्र पहाड़िया एवं महामंत्री श्री सन्तोष पेंढारी तथा श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज गंगवाल और महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र बड़जात्या ने आये हुये उपसर्ग को सहजता से टालने के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

जैन गजट की बेवसाईट का नाम परिवर्तित नया नाम www. jaingazette.com

जैन गजट साप्ताहिक की बेवसाईट जो अभी तक www.jaingajat.com थी, उसका नाम अब www. jaingazette.com हो गया है। सभी पाठक कृपया इस साईट पर जाकर जैन गजट ई पेपर एवं न्यूज पोर्टल पर दिये गये समाचार पढ़ सकते हैं। यह साइट जैन गजट न्यूज पोर्टल के रूप में बनाई गई है। मोबाइल पर भी आप इसे खोल सकते हैं।

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

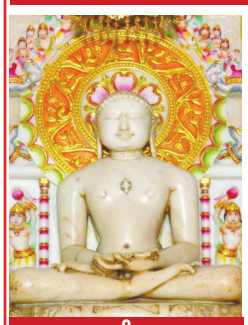

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

JK® MASALE SINCE 1957

श्री महावीरजी में

वात्सल्यवारिधि 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज के सानिध्य में 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक होने वाला पंचकल्याणक महोत्सव व महामस्तकाभिषेक विश्व के लिए मंगलकारी हो। 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज व समस्त मुनि संघ के चरणों में हमारा शत शत नमन।

नमनकर्ताः धन्नालाल भागचन्द काला

शुद्ध खाओ स्वस्थ रहो... Buy online at JK Cart.com

Shudh khao Swasth Raho

तृतीय पुण्य तिथि

श्रद्धांजलि

जन्म
(15-08-1942)

स्वर्गवास
(16-08-2019)

स्व. श्रीमती संतरादेवी जैन

(धर्मपत्नी स्व. श्री निर्मल कुमार जैन सेठी)

आपकी स्मृतियां, आपकी छवि विस्मृत हो ना पायेंगी।
आपका व्यवहार, आपकी बातें सदैव याद आयेंगी।।

-: श्रद्धावनत :-

हुलासचंद जैन, महावीर प्रसाद-तारारानी जैन, (देवर- देवरानी)
अनु जैन (पुत्रवधु), धर्मेन्द्र-रिंकु (पुत्र-पुत्रवधु), आस्था (पुत्रवधु)
सरिता कटारिया, कल्पना-अरूण बाकलीवाल, रेखा- संजय गंगवाल (पुत्री- जवाई)
मेधिर, अविचल, चिरायु, तमन्ना, चाहत (पौत्र, पौत्री)

एवं

समस्त सेठी परिवार

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE :
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A. T. Road, Guwahati-781 001
M.: 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H. S. Road, Chhatribari, Guwahati-781 008
E-mail: casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

महासभा के इतिहास में प्रथम बार जम्मू एवं काश्मीर राज्य में महासभा संगठन स्थापित एवं राज्य स्तरीय चुनाव सम्पन्न

डॉ. बिमल जैन

जम्मू। महासभा के इतिहास में पहली बार जम्मू एवं काश्मीर राज्य में महासभा कार्यकारिणी का गठन हुआ। साधारण सभा में चुनाव करके डॉ. श्रेयांस कुमार जैन को महासभा (धर्म संरक्षिणी-तीर्थ संरक्षिणी-श्रुत संवर्धिनी महासभा) का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। श्री विशाल सागर जैन को महासभा (धर्म संरक्षिणी-तीर्थ संरक्षिणी-श्रुत संवर्धिनी-युवा महासभा) का महामंत्री निर्वाचित किया गया।

ज्ञातव्य है कि महासभा के 127 वर्ष के सफर में अभी तक जम्मू एवं कश्मीर राज्य में महासभा का संगठन स्थापित नहीं हो पाया था। जम्मू एवं कश्मीर राज्य में गिने-चुने दिगम्बर जैन परिवार हैं। जम्मू के प्रख्यात समाज एवं स्वास्थ्य सेवी डॉ. श्रेयांस कुमार जैन ने अथक प्रयास कर दिगम्बर जैन परिवारों को महासभा के झण्डे तले लाकर संगठन स्थापित किया है। महामंत्री श्री विशाल सागर जैन जम्मू के युवा उद्यमी हैं और उन्होंने कश्मीर राज्य के दिगम्बर जैन युवाओं को पहली बार महासभा से जोड़कर देश के सिरमौर शीर्ष राज्य में महासभा संगठन को गतिमान किया है।

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, अध्यक्ष (महासभा-तीर्थ-श्रुत) जम्मू एवं कश्मीर

श्री विशाल सागर जैन, महामंत्री (महासभा- तीर्थ-श्रुत-युवा) जम्मू एवं कश्मीर

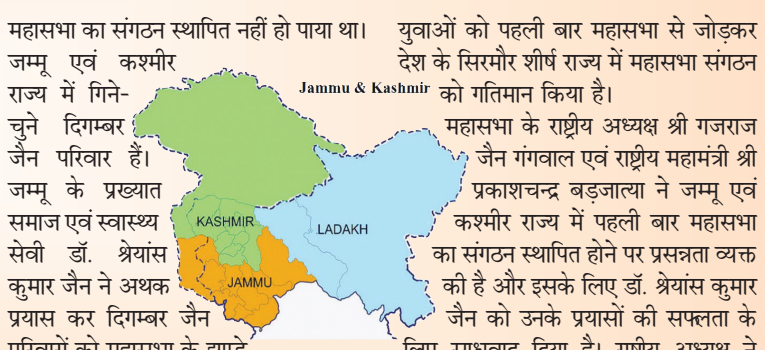

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र बड़जात्या ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य में पहली बार महासभा का संगठन स्थापित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की है और इसके लिए डॉ. श्रेयांस कुमार जैन को उनके प्रयासों की सफलता के लिए साधुवाद दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि जम्मू एवं कश्मीर महासभा को उसके विस्तार के लिए हर संभव सहायता एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा।

पांडिचेरी प्रांतीय महासभा के चुनाव संपन्न

❍ महासभा अध्यक्ष- श्री सोहनलाल जी कासलीवाल, तीर्थ संरक्षिणी महासभा अध्यक्ष - श्री भागचंद जी सीरायत, श्रुत संवर्धिनी महासभा अध्यक्ष - श्री संजय जी पी. ठोल्या चुने गये

सोहनलाल कासलीवाल, पांडिचेरी

पांडिचेरी। खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर में दिनांक 10.06.2022 वार गुरूवार को श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के अन्तर्गत चारों प्रान्तों के प्रांतीय चुनाव सुबह 10 बजे चेन्नई से पधारे चुनाव निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाशचंद जी बड़जात्या, श्री एम. के. जैन के निर्देशन में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुये। कार्यक्रम में सर्वप्रथम आचार्यश्री शांतिसागर जी महाराज के चित्र के सामने सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया तत्पश्चात् महिला महासभा के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मंच पर चुनाव अधिकारी श्री प्रकाशचंद जी बड़जात्या, श्री एम. के. जैन सहित श्री सोहनलाल जी कासलीवाल उपस्थित थे। पांडिचेरी महासभा द्वारा चैन्नई से पधारे महानुभावों का शाल, माला से स्वागत किया गया। सभा के प्रारम्भ में श्री सोहनलाल जी कासलीवाल अध्यक्ष पांडिचेरी महासभा द्वारा स्वागत भाषण प्रदान करते हुये महासभा की गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व

शेष पृष्ठ 6 पर.....

Vayudoot Group
ला: नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS

वायुदूत की सुप्रसिद्ध शुद्ध स्वादिष्ट किचन वाली जैन भोजन सुविधा

WORLD TRAVELS | DESTINATION WEDDINGS | GROCERIES | CATERING

+91 9313338256, 9810408256, 9818312056

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN
be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries
Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

आजादी का अमृत महोत्सव-13-15 अगस्त, 2022, हर घर तिरंगा
अभियान पर समस्त जैन गजट परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

जैन गज़ट

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी के साथ

आप अपनी समस्या इस पते पर भेजें: रवि जैन गुरूजी, विख्यात् जैन ज्योतिषाचार्य, हस्तरेखा एवं कुंडली मिलान विशेषज्ञ, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) 1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 फोन 011-22325069, 9990402062 (व्हाट्सअप)

प्रश्न 1. गुरूजी, पृथ्वी तत्व की राशि कौन-कौन सी होती है और कुल कितने तत्व की राशि होती है। कृपया जानकारी दें - अमन सिन्हा, इन्दौर

उत्तर - अमन जी, वृषभ, कन्या, मकर राशि पृथ्वी तत्व की होती है और अग्नि, पृथ्वी, वायू, जल, तत्व की राशि होती है।

प्रश्न 2. मेरी शादी का योग 35 वर्ष की आयु में भी नहीं बना, क्या कारण है - अमरीक जैन, बिलासपुर

उत्तर - शादी के लिये सप्तम भाव गुरू ग्रह और शुक्र ग्रह को देखा जाता है। आपकी जन्म पत्री में तीनों चीजें कमजोर हैं मगर आप आदिनाथ जी का चालीसा पढ़ें, पुखराज 6 रत्ती का धारण करें, अवश्य शादी का योग बनेगा।

प्रश्न 3. कुंडली में मंगल उच्च का होता है क्या अगर हां तो किस राशि में - मीना जैन, इम्फाल

उत्तर - कुंडली में मंगल मकर राशि में उच्च का होता है और चन्द्रमा के स्वामित्व वाली कर्क राशि में नीच का होता है।

प्रश्न 4. परिवार में चल रही कलह को लेकर मन बहुत दुखी है, क्या कारण है - इमरती देवी, भोपाल

उत्तर - इमरती देवी जी आपकी कुंडली में चतुर्थ भाव में विराजमान राहु इसका मुख्य कारण है। आप अपने परिवार के साथ रोजाना श्री नेमिनाथ जी की माला फेरें तथा गौशाला में खलदान करें।

प्रश्न 5. शादी को छः साल हो चुके हैं मगर मेरी पत्नी को अभी तक मेरे परिवार से लगाव नहीं हुआ है। मायके के गुण गाती है - मनोज, दिल्ली

उत्तर - मनोज जी, आपकी पत्नी की कुंडली में दशम भाव कमजोर है जो ससुराल का होता है। आप पत्नी को कहें कि रोजाना श्री चन्द्रप्रभु चालीसा पढ़ें।

प्रश्न 6. मैं जॉब से परेशान हूं। जॉब में मन नहीं लगता। मन करता है जॉब छोड़कर व्यापार करना चाहिये। मैं क्या करूं - ज्ञानानन्द, कन्नौज

उत्तर - ज्ञानानन्द जी आपकी कुंडली में व्यापार का स्वामी बुध नीच का विराजमान है अतः आपको नौकरी में ही कामयाबी मिलेगी, आप रोजाना श्री मुनिसुव्रतनाथ जी का चालीसा पढ़ें, नीली रत्न धारण करें।

प्रश्न 7. गुरूजी जय जिनेन्द्र, तुलसी विवाह क्या होता है और क्या यह कराना चाहिये - मोना, चण्डीगढ़

उत्तर - अगर कुंडली में शुक्र ग्रह नीच का हो या कमजोर बैठा हो तो तुलसी विवाह कराना जरूरी हो जाता है। अतः किसी विशेषज्ञ की राय लें।

प्रश्न 8. मेरी कुंडली में कोई ग्रह नीच का है क्या? और मुझे क्या करना चाहिये? - रजनी, मेरठ

उत्तर - रजनी जी आपकी कुंडली में बुध ग्रह नीच का बैठा है अतः आपको रोजाना श्री विमलनाथ जी का चालीसा जाप करनी चाहिये।

दशलक्षण पर्व हेतु आमंत्रण शीघ्र भेजें

श्री दि. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर द्वारा गत् 25 वर्षों से दशलक्षण पर्वराज में प्रति वर्ष धर्म प्रभावना हेतु श्रमण परम्परा पोषक आर्षगामी कुशल वक्ता विद्वान् देश-विदेश में समाज के आमंत्रण पर भेजे जाते हैं। हर्ष का विषय है कि इस वर्ष संस्थान 25 वर्षों की गौरवपूर्ण सफलता की संपूर्ति पर हजारों शिविरों के आयोजन के साथ अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से 'संस्कृति गौरव रजत महोत्सव' मना रहा है। पर्वराज पर्युषण पर्व दिनांक 31 अगस्त से 9 सितम्बर, 2022 तक समस्त जैन धर्मानुरागी बन्धुओं द्वारा मनाया जायेगा। दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचन एवं विधि विधानादि धार्मिक अनुष्ठानों के लिये विद्वान संस्थान से विद्वान आमंत्रित करें। इच्छुक समाज प्रतिनिधि अपना आमंत्रण पत्र यथा शीघ्र डाक द्वारा अथवा ई-मेल पर भेजें ताकि समय रहते समुचित व्यवस्था की जा सके।

सम्पर्क सूत्र - दशलक्षण प्रभारी
मो.9928371108,
9929321108, 8114457928
ई मेले sssparyushan@gmail.com

अधिष्ठाता
श्री दि. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान,
सांगानेर, जैन नशियाँ रोड, सांगानेर,
जयपुर-302029 (राज.)

राजस्थान प्रांतीय महासभा का
स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (राजस्थान प्रांत जयपुर) का स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह रविवार 14 अगस्त, 2022 समय दोपहर 1.30 बजे से स्थान-झांझरी सभागार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर में भारत गौरव परम विदुषी लेखिका जहाजपुर स्वस्तिधाम तीर्थ प्रणेत्री गणिनी आर्यिकारत्न 108 श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित है।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

विज्ञा वाणी

मेरे जीवन का अंत हो जब, मेरे सामने एक संत हो।
मेरे होठों पे अरिहंत हो और महावीर का पंथ हो।

वर्तमान में आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ निवाई शहर (टोंक) में पावन चातुर्मास- 2022, की धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहीं हैं।

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा
(रांवका)
बनीपार्क, जयपुर
(राज.)

विन्ध्य सुविचार

अपना पूरा समय खुद को बेहतर करने में लगाओ क्योंकि....अब रिश्ते इंसान से नहीं पैसों से बनने लगे हैं।

परम पूज्य राष्ट्र संत गणाचार्य गुरूवर श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज की परम विदुषी शिष्या परम पूज्या संस्कार दर्शिका श्रमणी ज्ञानमूर्ति गणिनी आर्यिका शिरोमणि गुरू माँ 105 विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का चातुर्मास श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, फैंसी बाजार, गुवाहाटी में हो रहा है।

पुण्यार्जक

प्रेषक: शेखर चंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट, हेड ऑफिस-जयपुर ब्रांच-मदनगंज-किशनगढ़
द्वारा R. K. Advertising मो. 9667168267 मेल rkpatni777@gmail.com

जैन गजट की सदस्यता या विज्ञापन राशि 'जैन गजट के पक्ष में' पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004 (उ. प्र.) सेविंग अकाउण्ट 2405000100102500 IFSC - PUNB 0185600 नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित) मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन (स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता/विज्ञापन हेतु भेजें- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.) मो. 7607921391, 9415108233

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
जैन गजट सम्पादक मंडल

भूतपूर्व अध्यक्ष
स्व. श्री निर्मल कुमार जी जैन सेठी
(सन् 1981 - 2021)

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- **09840213132**
Email- chennai@shriniwasa.com

सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577

प्रकाशक एवं प्रबंध सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक एवं जैन गजट शिकायत
सुभाष गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन
मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस,
नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500
'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क- 7607921391,
7880978415, 9415108233

आचार्य वर्द्धमान सागर जी महाराज ने दीक्षा स्थली श्री महावीर जी में दी दो क्षुल्लिका दीक्षाएं

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

श्री महावीर जी। वर्ष 2022 का पावन वर्षायोग श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र में कर रहे वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्द्धमान सागर जी महाराज के सान्निध्य में 4 अगस्त, 22 को भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। इस मौके पर आचार्य श्री ससंघ के सान्निध्य में दो भव्य क्षुल्लिका दीक्षाएं दी गई। श्रीमती घीसी देवी ठोलिया उम्र 79 वर्ष तथा श्रीमती भगवानी जयपुरिया सीकर को क्षुल्लिका दीक्षा दी गई, इनका नूतन नाम क्रमशः क्षुल्लिका शांतमति तथा क्षुल्लिका श्री शीलमति जी किया गया। दीक्षा समारोह कार्यक्रम सभागार में 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के कृत्रिम टोंक की निर्माण रचना का अनावरण श्रीमती शोभादेवी, गिरिराज, सुनील पदम, सुधीर पंसारी जयपुर ने किया। कार्यक्रम का

मंगलाचरण संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी पूनम एवं दीप्ति दीदी ने किया। श्री पार्श्वनाथ भगवान का चित्र अनावरण बंशीधर, पूरन मल परिवार सीकर द्वारा किया गया। दीप प्रज्जवलन अशोक, सुनील, अनिल एवं सुधीर पाटनी जोबनेर तथा चातुर्मास कमेटी ने किया। श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान की पूजन एवं निर्वाण लड्डू पुण्यार्जक परिवार द्वारा चढ़ाया गया। श्री महावीर जी कमेटी द्वारा अनुपम जैन एवं अतिथियों का स्वागत किया गया।

आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में दीक्षा का महत्व बताया। आचार्यश्री ने पंचमुष्ठी केशलोंच किये तथा दीक्षा संस्कार मस्तक तथा हाथों पर किये गए। इसके बाद आचार्यश्री ने नामकरण किया। पुण्यार्जक परिवारों द्वारा नूतन क्षुल्लिका जी को पिच्छी, कमंडल, शास्त्र एवं कपड़े दान किये गये। आचार्यश्री के संघस्थ दीक्षित शिष्य श्री विशाल सागर की गृहस्थ अवस्था की श्रीमती घीसी देवी माता हैं तथा श्रीमती भगवानी देवी जयपुरिया आपकी सास हैं तथा संघस्थ श्री विचक्षण मति जी पूर्व अवस्था की पत्नी हैं।

विज्ञाश्री माताजी का स्वर्णिम महोत्सव अनेक कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

जैन गजट संवाददाता

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर पर गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 50वां स्वर्णिम जयंती महोत्सव 2 अगस्त को धूमधाम से मनाया गया, जिसमें दूर दराज से आये श्रद्धालुओं ने भाग लिया। स्वर्णिम महोत्सव के तहत् कार्यक्रम से पहले गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही महिलाओं द्वारा मंगलाचरण किया। जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा ने अवगत् कराया कि महोत्सव में विज्ञाश्री माताजी का स्वर्ण कलशों से पाद प्रक्षालन किया गया।

गुरू मां का संगीत के साथ पूजन करके गुरू गुणगान किया। कार्यक्रम में रत्नवृष्टि, प्रवचन के साथ अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महोत्सव में सुभाष एंड पार्टी महुआ की मधुर संगीत से महिलाओं ने भक्ति नृत्य किए। इस दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने श्रीफल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भरी धर्म सभा को सम्बोधित कर सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय आशीर्वाद दिया।

वर्धमान यशकीर्ति भवन का शिलान्यास सनावद में

राजेन्द्र जैन 'महावीर', सह सम्पादक, जैन गजट

यशवंत से वर्धमान सागर बनकर सनावद नगर को जैन समाज के विश्व पटल पर स्थापित करने वाले राष्ट्रगौरव, वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर जी महाराज के पुश्तैनी मकान की जगह पर विशाल 'वर्धमान यशकीर्ति' भवन का शिलान्यास 8 अगस्त को सम्पन्न हुआ। जिसमें देश के धर्मनिष्ठ परिवार आर. के. मार्बल्स की श्रीमती सुशीला पाटनी, संजय पापड़ीवाल, किशनगढ़ सम्मिलित हुए।

संघस्थ गज्जू भैया प्रतिष्ठाचार्य हंसमुख जी धरिवावद के सान्निध्य में भवन निर्माण की देखरेख करने वाले इंजी आशीष जैन बंटी, भरत जैन ने बताया कि तीन मंजिला भवन में डिजीटली आचार्यश्री का साहित्य व सभी प्रकार की जानकारियां होंगी। यह एक अद्भुत केन्द्र बनेगा, जो मंदिर न होकर गुरूदेव के प्रति श्रद्धा का केन्द्र होगा। सनावद समाजजनों ने गुरू की गरिमा में मुक्त हस्त से सहयोग दिया। निर्माण कार्य शीघ्रता से होगा। देश के अनेक श्रावक श्रेष्ठीजनों ने दानराशि प्रदान कर आचार्य वर्धमान सागर जी के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि आचार्यश्री गोम्मटेश्वर बाहुबली के अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन में तीन बार 1991, 2006, 2018 में अपना सान्निध्य प्रदान कर चुके है। उनके वात्सल्यमयी व्यवहार से प्रत्येक महामस्तकाभिषेक में पिच्छीधारी संतों की संख्या बढ़ी है। जो 2018 में लगभग 400 रही जो जैन समाज के आयोजनों की सर्वाधिक संत संख्या है। वर्तमान में श्री महावीर जी पहुंच चुके आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के सान्निध्य में 24 वर्षीय महामस्तकाभिषेक समारोह नवम्बर, 2022 में होगा। जिसकी जोरदार तैयारियां चल रही है।

जोबनेर में आर्यिका नन्दीश्वरमति माताजी एवं आर्यिका विशेषमति माता जी के चातुर्मास की कलश स्थापना

मिक्की बड़जात्या, संवाददाता

जोबनेर। श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर की ठेलियां उर्फ पांडिया जी में विराजित गुरू मां आर्यिकारत्न 105 श्री नंदीश्वरमति माताजी एवं गणिनी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी के परम शिष्य 105 विशेषमति माताजी के वर्षायोग प्रवास चातुर्मास स्थापना सानंद सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का मंगलाचरण संघस्थ दीदी डॉ. करूणा दीदी, दीपा दीदी ने किया। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन की बोली राजकुमार दीपक कुमार, अंकित कुमार पांडेय महला निवासी द्वारा ली गई। चातुर्मास के प्रथम मुख्य कलश की बोली माणक चंद, सुरेश कुमार महेश दिनेश कुमार बड़जात्या, मुरलीपुरा परिवार ने ली। द्वितीय कलश ललिता देवी, सुशील (मिक्की), सोनू भाषित, नयन बड़जात्या परिवार जोबनेर ने लिया। तृतीय कलश की बोली सुशीला देवी, नरेश, नमन बड़जात्या झोटवाड़ा निवासी द्वारा ली गई। चतुर्थ कलश प्रवीण, अंकेश कुमार ठोलियां जोबनेर निवासी द्वारा, पंचम कलश सुलोचना देवी, अमित, अभिषेक, आगम छाबड़ा द्वारा, षष्टम कलश बोली विनोद कुमार, आयुष गंगवाल द्वारा लिया गया। पाद प्रक्षालन सोहनलाल जिनेन्द्र कुमार जोबनेर एवं जैन समाज झेराना द्वारा, शास्त्र भेंट मंगलम सिटी महिला मंडल जयपुर एवं सन्तरा देवी जैन खोरा वाले ने लेकर पुण्य लाभ लिया। वात्सल्य की प्रतिमूर्ति आर्यिकारत्न नन्दीश्वरमति माताजी एवं आर्यिका विशेषमति माता जी ने समाज से चातुर्मास काल का पूर्ण लाभ लेने एवं धर्माराधना करने की प्रेरणा प्रदान की। मंच संचालन संघस्थ दीदी एवं विनोद गांधी द्वारा किया गया।

गोद भराई एवं शोभायात्रा आयोजित

मिक्की बड़जात्या, संवाददाता

जोबनेर। यहां ब्रह्मचारिणी दादी मां घीसी देवी ठोलिया की गोद भराई एवं शोभायात्रा का आयोजन मुनिसंघ कमेटी जोबनेर द्वारा किया गया। ज्ञातव्य रहे कि श्रीमती घीसी देवी ठोलियां जोबनेर निवासी स्व. श्री चिरंजीलाल जी ठोलिया की धर्मपत्नी एवं श्री रमेश कुमार जी माता जी एवं अंकित, रोहित ठोलियां की दादी जी हैं। आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज के करकमलों से श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र पर दिनांक 04 अगस्त, 2022 को दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका है।

'सुखनेच्या तिरावर' आचार्य गुप्तिनन्दीजी को समर्पित

चिकलठाणा (महाराष्ट्र)। सुख्यात समाजसेवी, मराठी हिन्दी लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एम. सी. जैन की आत्मकथन पर साहित्य कृति 'सुखनेच्या तिरावर' भारत गौरव, कवि हृदय, आचार्य गुप्तीनंदी जी को अतिशय क्षेत्र 'धर्म तीर्थ' में समर्पित की। आचार्य मुनि गुप्तिनंदी जी ने कहा कि एम. सी. जैन एक ऊर्जावान व्यक्तित्व हैं। उम्र के 84 वर्ष के इस पड़ाव पर साहित्य कृति का निर्माण करना अद्भुत है, यह साहित्य कृति समाज को प्रेरणा देती रहेगी। इस अवसर पर आर्यिका शिरोमणि आस्थाश्री माताजी, सौ. हेमलता जी, प्रा. डा. राजेश एम पाटनी, डा. सौ. स्नेहल पाटनी आदि उपस्थित थे।

त्रिलोक तीरथ

।। स्याद्वाद धर्म प्रवर्धक श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।

शताधिक संस्थाओं के प्रेरणा स्त्रोत, राष्ट्र ऋषि, सिंह रथ प्रवर्तक, परम पूज्य आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से निर्मित

त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव के दर्शन कर पुण्यार्जन करें

स्याद्वाद परिवार की ओर से चातुर्मास 2022 के शुभावसर पर सभी साधुगण एवं साध्वियों के पावन चरणों में शत् शत् वंदन्

आर्यिका श्री दृष्टिभूषण माता जी का 2022 का चातुर्मास त्रिलोक तीर्थधाम बड़ागांव मे है।

सम्पर्क:- श्री दिगम्बर जैन त्रिलोक तीर्थ- धाम अतिशय क्षेत्र, बड़ागांव (बागपत)

मोबा.- 9012213920, 8392841885

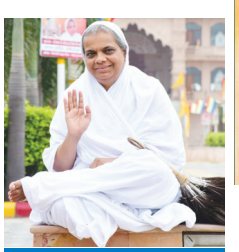

आर्यिका श्री दृष्टिभूषण माताजी

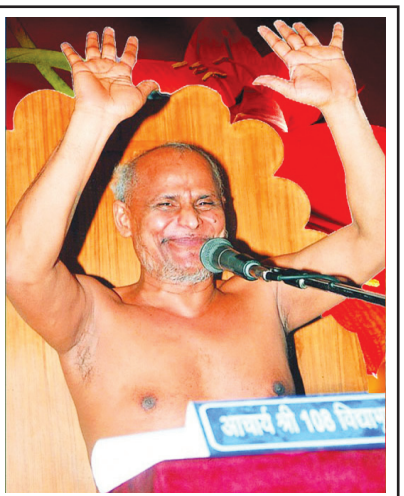

आचार्य श्री विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज शत् शत् वंदन

सेवा धर्म समाज की आगम के अनुकूल। यह पुनीत उद्देश्य है जैन गजट का मूल।।

जब जेल में मनाया था दशलक्षण पर्व

सम्पूर्ण देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, देश की आजादी में यदि सबसे अधिक योगदान की चर्चा की जाए तो जैन समाज का योगदान ही सर्वाधिक होगा, क्योंकि आजादी आंदोलन का मूल आधार 'अहिंसा' जैन धर्म का प्राण है। अहिंसा के विचार के साथ आगे बढ़े इस देश ने अहिंसा की ताकत को न केवल पहचाना बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करते हुए अन्य देशों को भी इसी मिशन के तहत् आजाद होने में सफलता मिली है। दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मण्डेला इसका बहुत बड़ा उदाहरण हैं। वैचारिक क्रांति ही हमारी पहचान है। जैन समाज संख्या में भले ही कम हो लेकिन उसके विचार आज विश्व स्तर पर सराहे जा रहे हैं, अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत, स्याद्वाद को आज सर्वाधिक आवश्यक समझा जा रहा है। आजादी के आन्दोलन में कई क्रांतिकारी उदारवादी जैन समाज से हुए। साइमन कमीशन गो-बैक का नारा लगाते हुए हमारे लाला लाजपत राय की मृत्यु हुई थी। ग्वालियर के श्री अमरचंद बांठिया को फांसी पर लटकाकर अंग्रेजों ने चौराहे पर लाश टांगे रखी। ऐसी अनेक घटनाएं हमारे जैन समाज के इतिहास को रेखांकित करती हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का योगदान विषय पर जैन जगत के मूर्धन्य लेखक साहित्यकार स्व. श्री कपूरचंद जी जैन (खतौली) की पुस्तकें हमारा ऐतिहासिक दस्तावेज हैं।मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में मण्डलेश्वर जेल है, जहां आजादी के पहले आजादी के सैनिकों को बंदी बनाकर रखा जाता था। म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री रहे श्री मिश्रीलाल गंगवाल, विधायक रहे पदम्श्री बाबूलाल पाटोदी (इन्दौर) सहित जैन समाज के अनेक नेताओं को आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों ने बंद कर दिया था। इसी दौरान पर्युषण पर्व आए, सभी का देव-दर्शन-पूजा अभिषेक व शुद्ध भोजन का नियम था। सभी ने उपवास करने की ठानी। आखिर अंग्रेजों के अत्याचारी जेल प्रशासन को भी झुकना पड़ा और देव दर्शन के लिए प्रतिमा लाई गई, पूजन अभिषेक किया गया। शुद्ध भोजन बनाने की अनुमति मिली, यह कार्य हमारी शुचिता व राष्ट्रभक्ति को प्रदर्शित करता है। जैन समाज द्वारा आजादी के आंदोलन के साथ संविधान निर्माण में भी अभूतपूर्व योगदान दिया है। आजादी के बाद अनेक राजनेताओं ने प्रतिनिधित्व कर विकास की गंगा बहाई वहीं अनेक उद्योगपतियों ने भारत का विकास कर रोजगार प्रदान किया।

भारतीय राजनीति के इतिहास में जैन समाज का अध्याय स्वर्णाक्षरों में अंकित है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हम देख रहे हैं जैन समाज का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर कम होता जा रहा है, हमारी स्वीकार्यता, आपसी मनमुटाव, विवादों के कारण कम हो रही है। हम देखते हैं कि यदि किसी जैन व्यक्ति को कोई राष्ट्रीय पार्टियां टिकट देती हैं तो उसे सबसे पहले समाज का ही विरोध सहना पड़ता है। इस विषय पर चिन्तन आवश्यक है। हमें हमारे पूर्वजों से प्रेरणा लेकर हमारी शक्ति व विचार को समझना होगा। मैं यहां हमारी जैन समाज के आईपीएस अधिकारी श्री पवन जैन (पुलिस उप महानिरीक्षक, भोपाल) के बयान से बहुत प्रभावित हूं, उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था कि 'हम जैन समाज के लोग दूसरों से तो लड़ नहीं पाते, इसलिए आपस में ही लड़ लेते हैं।' यह बयान उनके अनुभव व सामाजिक चिन्तन को दर्शाता है। हमें लड़ना किससे है यह हम सोच ही नहीं पा रहे हैं? आज हम कुछ भी कर लें, हम अपनी जनसंख्या तो बढ़ा नहीं सकते हैं। हम पहले भी वैचारिक शुचिता के लिए जाने जाते थे। आज भी 'जैन' नाम हर क्षेत्र में एक ब्राण्ड है, हम व्यक्तिगत् रूप से सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, शैक्षणिक आदि सभी क्षेत्रों में समृद्ध हुए हैं, राजनीतिक क्षेत्रों में हम सक्षम हैं, इसे और अधिक सक्षम करना है। अभी हाल ही में सम्पन्न हुए पंचायत एवं नगर पालिका चुनावों में जैन समाज बाहुल्य न होते हुए भी हमारे समाजजनों ने विजयश्री प्राप्त की है। उन्हें जगह-जगह सम्मानित किया जाना चाहिये, जिससे उनका उत्साहवर्धन हो सके। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में हम हमारी समाज के योगदान को रेखांकित करने के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नगरों-ग्रामों को चिन्हित कर उनके नाम पर कुछ न कुछ करते रहे जिससे उनके परिजनों को भी गौरव का अनुभव हो सके। महासभा परिवार व जैन गजट इस सम्बन्ध में आपके समाचार प्रकाशित करेगा।

...राजेन्द्र जैन 'महावीर', सह सम्पादक, जैन गजट, सनावद

तिरंगा हमारे घर, परिवार, समाज, देश और राष्ट्र की आन-बान-शान का प्रतीक है

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल, औरंगाबाद

आज हमारे देश का बच्चा-बच्चा, चप्पा-चप्पा आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तिरंगा सद्भाव, प्रेम मैत्री, त्याग, बलिदान, नैतिक, धार्मिकता का बोध कराता है। तिरंगा ने ही स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में एकजुट होने और स्वतंत्रता की भावना को जन्म देने में मदद की है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर घर तिरंगा की आवाज को बुलन्द करके सम्पूर्ण देश को एक होने का संदेश दे दिया। उन्होंने हर घर तिरंगा फहराने की बात कही और हम एक दीपक जलाने की बात कह रहे हैं। वह दीपक देश की सुख, शान्ति, समृद्धि, अहिंसा, सद्भाव, प्रेम मैत्री, भाईचारा, नैतिक, धार्मिक और आध्यात्मिकता के घी से भरा हो। 13 से 15 अगस्त के बीच 100 करोड़ से ज्यादा हर घर तिरंगा फहरेगा और अहिंसा, प्रेम, सद्भाव, नैतिकता का दीप चलेगा। पहले ध्वज सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही फहरा सकते थे, लेकिन 13 से 15 अगस्त के मध्य आप 24 घन्टे तिरंगा फहरा सकते हैं। फहराया हुआ तिरंगा देश की एकता, राष्ट्र की अखण्डता, देशभक्ति, शान्ति और सम्मान को दर्शाएगा। तिरंगा में तीन रंग और बीच में चक्र बना हुआ है। यह प्रतीक बहुत गहरी बात कह रहा है।

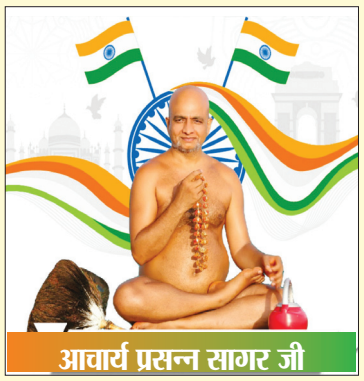
आचार्य प्रसन्न सागर जी

केशरिया रंग – हमारी धार्मिकता, नैतिकता, व्यवहारिकता और साहसपूर्ण जीवन जीने का बोध करा रहा है।

सफेद रंग - ईमानदारी, पवित्रता, सरलता और मन की शान्ति, चेहरे की प्रसन्नता को बरकरार रखने की बात बता रहा है।

हरा रंग – घर परिवार, समाज, देश और राष्ट्र की सुख, शान्ति, समृद्धि, आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ा रहा है।

तिरंगा के मध्य अशोक चक्र – जिसमें 24 तीलियां बनी हुई हैं। 24 तीर्थकर, 24 पैगंबर, 24 अवतार को 24 घण्टे स्मरण करने की बात को समझा रहे हैं और धर्म, एकता, समरसता की बात को बता रहे हैं।

अशोक चक्र कह रहा है, यदि इनको छोड़ा तो तुम 83 लाख 99 हजार, 9 सौ 99 योनियों में भटकते रहोगे। तिरंगा सिर्फ राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं, बल्कि धार्मिक, नैतिक और व्यवहारिकता का प्रतीक भी है। राष्ट्रीय एकता, साहस, शौर्य, शक्ति, विचार और नेक उद्देश्य का प्रतीक है। तिरंगा हमारे शरीर का उत्तमांग है, हमारा गौरव है। इसी आत्मीय भाव के साथ ''हर घर तिरंगा'' फहरायें और प्रेम का दीप जलायें।

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मानित ट्रस्टीज (रू. 1,11,111/-) का

श्री कमल कुमार जैन
गुवाहाटी

श्री गजेंद्र जैन पाटनी, कुनकुरी,
केंद्रीय उपाध्यक्ष-महासभा

स्वागत है, अभिनन्दन है समाज के कर्मनिष्ठ कर्णधारों का!

हुलाशचंद जैन सेठी	गजराज जैन गंगवाल	प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड	एग्जीक्यूटिव ट्रस्टी	एग्जीक्यूटिव ट्रस्टी

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के नये आजीवन सदस्यों का

श्री अजीत जैन
अरिहन्त हार्डवेयर स्टोर, पोस्ट-दुदनई,
जिला-ग्वालपाड़ा -783124 (आसाम)

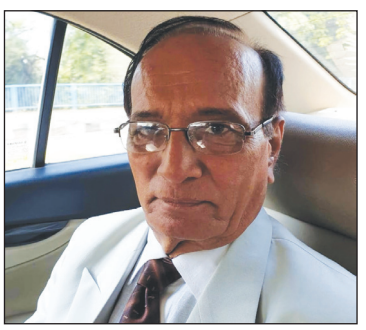
श्री सुभाष जैन काला
दाता कॉलोनी के पास
भोपाल (म.प्र.)

श्री आलोक जैन तिजारिया
घीया मार्ग, बनी पार्क, जयपुर

श्री रोहित जैन
स्टेपसन्स रोड, चेन्नई

आप सभी महानुभावों ने रूपये 11,000/- प्रदान कर 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' की 'आजीवन सदस्यता' ग्रहण की है जिसके लिये महासभा परिवार आपका हृदय से आभारी है।

शेष पृष्ठ 3 का....

अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी सेठी ने 40 साल तक महासभा की तन-मन-धन से सेवा करते हुये आज महासभा को ऊंचाईयों पर छोड़ कर गये हैं। हम सभी को महासभा के प्रति पूर्व समर्पित भाव से महासभा को आगे लेकर जाना है एवं सभी को महासभा से जोड़ना है। तत्पश्चात् श्रीमान् प्रकाशचन्द्रजी बड़जात्या एवं श्री एम. के. जैन साहब ने धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी एवं श्रुत संवर्धिनी महासभा के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी। सभी सदस्यों की राय से यह निर्णय हुआ है कि पांडिचेरी एवं तमिलनाडु महासभा की संयुक्त मीटिंग हर छह महीने में एक बार होगी ताकि सभी गतिविधियों की जानकारी मिलती रहे एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य भी लगातार चलता रहे।

इसके बाद चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई एवं सभी पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महामंत्री का चयन सर्वसम्मति से हुआ। इन सभी सभाओं की कमेटियां गठित कर इसकी सूचना केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली को भेजने का प्रस्ताव पारित हुआ।

1. धर्म संरक्षिणी महासभाः अध्यक्ष- श्री सोहनलाल जी कासलीवाल, उपाध्यक्ष- श्री धर्मचंद जी गंगवाल, सचिव- श्री पवन कुमार जी कासलीवाल।
2. तीर्थ संरक्षिणी महासभाः अध्यक्ष - श्री भागचंदजी सीरायत, उपाध्यक्ष - श्री संतोष जी कासलीवाल, सचिव - श्री रिखबचंद जी पाटोदी।
3. श्रुत संवर्धिनी महासभाः अध्यक्ष - श्री संजय जी पी. ठोल्या, उपाध्यक्ष - श्री अशोक जी कासलीवाल, सचिव - श्री विमल जी कासलीवाल।
4. महिला महासभाः अध्यक्ष - श्रीमती प्रमिला कासलीवाल, उपाध्यक्ष - श्रीमती पूनम कासलीवाल, सचिव - श्रीमती मधु कासलीवाल, कोषाध्यक्ष - श्रीमती निर्मल पाटनी। श्रीमान् मदनलाल जी कासलीवाल एवं सोहन जी पहाड़िया को संरक्षक बनाया गया।

बुरी आदतों को व्यक्ति खुद ही स्वीकार कर लेता है, इस वजह से वह गलत आदतें छोड़ नहीं पाता है। जिस दिन व्यक्ति ये समझ जाएगा कि बुरी आदत को मैंने ही पकड़ रखा है और मैं ही इसे छोड़ सकता हूं, उस दिन गलत आदत छूट जाएगी।

– आचार्य श्री विद्यासागर जी

मुनिराज, आर्यिका माताजी, क्षुल्लक क्षुल्लिका जी एवं त्यागीगण हेतु

'श्री देशभूषण त्यागी सेवा ट्रस्ट कमेटी अक्षय निधि' में योगदान की विनम्र अपील

बेलगांव जिला चिक्कोडी तहसील कोथली कुप्पानवाडी (परम पूज्य भारत गौरव आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज के जन्म स्थान, तपोभूमि, समाधिस्थल) श्री देशभूषण गुरूकुल के मंदिर में श्री देशभूषण त्यागी ट्रस्ट बनाने की भावना है। कर्नाटक और महाराष्ट्र में बहुत त्यागीगण हैं, मुनिराज हैं, माताजी हैं, क्षुल्लक जी हैं, क्षुल्लिका माताजी हैं, वयोवृद्ध त्यागीगण हैं। विहार नहीं कर सकते हैं, अकेले रहते हैं, ऐसे अभी 8, 10 त्यागीगण का भावना है। अभी क्षेत्र में एक मुनिराज, एक आर्यिका माताजी, एक क्षुल्लिका माताजी विराजमान हैं। सभी को कोथली क्षेत्र में रहकर साधना, धर्मध्यान करते-करते अंत में समाधिमरण करें लेकिन त्यागीगण आयें तो आहार की बहुत दिक्कत होती है। कोई चौका लगाने को तैयार नहीं होते हैं सब अपनी अपनी समस्या बताते हैं। यह सब समस्या को देखते हुए हमारा भावना हुई है कि श्री देशभूषण त्यागी सेवा ट्रस्ट बनाकर उसमें 25 लोगों को लेना है। यह 25 लोग हमेशा ट्रस्ट के परम संरक्षक रहेंगे। एक व्यक्ति को पांच लाख रूपए दान करना है, फिक्स किया है। 25 लोगों के पैसे बैंक में जमा करेंगे इसका जो भी ब्याज आयेगा, उससे जितने भी त्यागीगण आये, उनके आहार दान, औषधदान, शास्त्र दान होते रहेगी। निश्चित होकर आहार करके साधना, धर्म ध्यान करते रहें, इसलिए आपसे निवेदन है कि आपको इस श्री देशभूषण त्यागी सेवा ट्रस्ट कमेटी से जुड़ना है। एक बार दान किए तो हमेशा हमेशा के लिए हर रोज आपके पैसे से रोज आहारदान, औषध दान, शास्त्र दान होता रहेगा। आहार दान का बहुत महत्व है। आहार दान सबसे श्रेष्ठ दान कहा है। कुछ भी हो आपको 'श्री देशभूषण त्यागी सेवा ट्रस्ट' में नाम अवश्य लिखवाने हैं। हमको पूर्ण विश्वास है आप हमारा बात नहीं टालेंगे। आजकल बुजुर्गों की देखभाल करने वाले कोई नहीं है। बुजुर्ग त्यागी कहा जाए? कहां समाधि मरण ले? इस उद्देश्य से आपसे निवेदन कर रहा हूं। आपकी दान राशि से जीवन पर्यंत हर रोज 12 महीने आपके परिवार की तरफ से आहार दान औषध दान होता रहेगा। दान राशि इस खाते में जमा करवाना है।

Income Tax Exemption 80G Certificate Available
Shri 108 A.R.D.B.D.J. Ashram Trust, Kothali, Kuppanwadi (karnataka)
Canara Bank (E Syndicate) K.C. Road Branch CHIKODI, A/C No. 05092250031930 IFSC CNRB 0010509

निवेदकः श्री देशभूषण आश्रम एवं शांतिगिरी ट्रस्ट कोथली कुप्पानवाडी, चिक्कोडी, तहसील बेलगांव, कर्नाटक, मो. 9108558103, 9900108703

अभय टोंग्या बने नगर पालिका अध्यक्ष

अशोक शाह

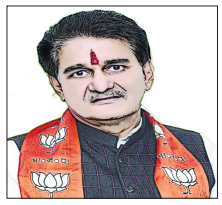

बड़नगर (म. प्र.)। परम मुनिभक्त, दिगम्बर जैन समाज की शान, देश में जहां कहीं भी महाराज श्री को पिच्छी की आवश्यकता के समाचार आने पर घर के सदस्यों द्वारा पिच्छी बनाकर देने वाले टोंग्या परिवार के श्री अभयजी टोंग्या नगर पालिका परिषद् बड़नगर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाईयां। महासभा अध्यक्ष एवं जैन राजनैतिक चेतना मंच के अध्यक्ष श्री गजराज जी गंगवाल एवं महासभा के महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी बड़जात्या ने आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं।

अशोकनगरः जैन समाज ने दिया नगर पालिका अध्यक्ष

अशोक नगर। लोकप्रिय विधायक, युवा दिलों की धड़कन जज्जी भइया के चहेते भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदेश भाजपा के सदस्य भाई नीरज मनोरिया जैन को नगर पालिका अध्यक्ष निर्वाचित होने पर महासभा एवं जैन राजनैतिक चेतना मंच की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल एवं महासभा के महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र जी बड़जात्या ने हार्दिक शुभकामनायें दीं हैं।

राष्ट्रसंत, सारस्वताचार्य, णमोकार जैन तीर्थ निर्माता मुनि देवनंदीजी को कोटि-कोटि नमन् नमोस्तु।।
जन्म दिन : 15 अगस्त पर शुभेच्छा

एम. सी. जैन-पत्रकार, सौ. हेमलताजी, प्रा. डॉ. राजेश एम. पाटनी, सौ. डॉ. स्नेहल-राजेश पाटनी, दिनेश एम. पाटनी, सौ. मंजूषा डि पाटनी, डॉ. प्रीती-आराध्यजी टड़ैया, मुम्बई, डॉ. नीलम औरंगाबाद, पुणे, प्रीतेश राजेश पाटनी, प्रतीक, दिनेश पाटनी, चिकलठाणा (औरंगाबाद) महाराष्ट्र

अट्ठारवीं पुण्य तिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि
स्व. श्रीमती शांतिदेवी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री माणक चंद जी जैन, लदाना वालों की 16-8-2022 को 18वीं पुण्य तिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि
आपकी स्मृतियां आपकी छवि विस्मृत ना हो पायेंगी। आपका व्यवहार आपकी बातें सदैव याद आयेंगी।।

-: श्रद्धावनतः-

महावीर कुमार-श्रीमति सुनिता जैन, विनोद कुमार-श्रीमति शशि जैन, विरेन्द्र कुमार-श्रीमति अल्का जैन (CA) (पुत्र-वधु), मितेश जैन-श्रीमति टीना जैन, अंकित-सुरभी (पौत्र-वधु), मीनू जैन-शिखर चंद जी जैन अजमेर, रीना जैन-योगेश जी जैन जयपुर (पौत्री-दामाद), रवि, आशु, एकांश, आस्था, अनुषा, अक्षिता व तनवी (पौत्र-पौत्री) एवं समस्त गोयल परिवार लदाना वाले फागी जयपुर (राज.)

प्रतिष्ठानः- गोदरेज व वोल्टास शोरूम, शान्तीनाथ इन्टरप्राइजेज, 70/72-AV, टावर पटैल मार्ग, मान सरोवर, जयपुर ○ जैन बर्तन भंडार, फागी 9829061472

36वीं पुण्यतिथि 18.08.2022 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि
धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, हमारी प्रेरणास्रोत

स्व. श्रीमती गोपीबाई छाबड़ा

(धर्मपत्नी स्व. श्री भंवर लाल जी छाबड़ा)

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्ताः-

मंगलचंद, हरकचंद-प्रेमलता, मोतीलाल-चन्द्रप्रभा, कमलचंद (प्रबंधक-श्री दिगम्बर जैन 1008 शांतिनाथ चैत्यालय, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर)-तारादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), चिरंजीलाल जी सेठी-कांता देवी, महावीर प्रसाद जी पाटनी-महेश देवी (बेटी-दामाद), मनीष-निशा, सपन-रजनी, रवि-रितु (पौत्र-पौत्रवधु), ममता-शरद सेठी (पौत्री-दामाद), मोहन्शी, कथांश, आरवी, दैविक, वैदिक, संभव (पौत्र-पौत्रियां) सहित समस्त छाबड़ा परिवार।

प्रतिष्ठानः मनीष इंटरप्राइजेज (AV क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रैक्टर, राज.) ○ मनीष छाबड़ा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ○ एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता, Suni Mart , डंतजए मानसरोवर ○ रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रेक्टर)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ चैत्यालय, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर मो. 9314019230, 9928012288

चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश-स्थापना विज्ञापन, चातुर्मास प्रवचन, कार्यक्रम सभी सूचनाएं, विज्ञापन आमंत्रित हैं। कृपया आचार्यों, मुनिराजों के चातुर्मास स्थान के पूर्ण पते भेजकर सहयोग प्रदान कीजिये। विज्ञापन चौथाई पेज, आधा पेज, पूरा पेज आदि के साइज में उपलब्ध हैं। कार्यालय संपर्क -मो. 7505102419, 7607921391 (वाट्सअप भी), 9415108233

प्रबंध सम्पादक

हार्दिक शुभेच्छायें

श्रावक शिरोमणी श्री एम. सी. जैन पत्रकार

समाजसेवी, मराठी-हिंदी के लेखक, प्राइड ऑफनेशन, ज्वेल ऑफइण्डिया, आदर्श पत्रकार, शिरोमणी आदि पुरस्कारों से सम्मानित पत्रकार श्री एम. सी. जैन, चिकलठाणा (औरंगाबाद) महा.

जन्म दिन 17 अगस्त 1939

84 वें वर्ष में पदार्पण पर बधाई एवं शुभकामनायें

'गौशाला' जीव दया का सारः नाट्य मंचन किया गया

शेखरचन्द पाटनी, संवाददाता

कोलकाता। संस्कृत शासनाचार्य, प्रातः स्मरणीय संत श्री विद्यासागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण के स्वर्णिम वर्ष व कोलकाता की लब्ध-प्रतिष्ठित पूर्ण महिला संस्था, सम्यक्त्व वर्धिनी के रजत वर्ष के समापन के उपलक्ष्य में चौरंगी परिवार एवं सम्यक्त्व वर्धिनी संस्था के द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2022 को कोलकाता के कला-मंदिर प्रेक्षागृह में एक अति संवेदनापूर्ण नाट्य मंचन किया गया जिसका शीर्षक था 'गौशाला' जीव दया का सार।

इस कार्यक्रम में कोलकाता के समीपवर्ती गांव कल्याणी स्थित दयोदय पूर्वांचल गोसेवा फाउंडेशन के गो-सेवा कार्यों के प्रति समर्पण, लगन व निष्ठा को दर्शाने का सफल प्रयास किया गया। इस गौशाला में 450 से अधिक गाय सुरक्षित एवं संरक्षित हैं जिन्हें अवैध विदेशी तस्करी से बचाकर यहां लाया गया है।

सर्वप्रथम प्रायोजकों द्वारा शासन नायक भगवान महावीर के समक्ष दीप प्रज्जवलन करवाया गया। कायक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के गीत नृत्य से हुआ। श्री विनोद-किरण काला, श्री संतोष-ललिता सेठी, श्री रमेश-किरण सरावगी, श्री महेंद्र-हीरा पाण्ड्या, श्री राजेंद्र-निशा गंगवाल समेत पूर्वांचल दयोदय गौ सेवा फाउंडेशन गौशाला के सभी निष्ठावान संरक्षकों का सम्मान करते हुये कार्यक्रम नाट्य मंचन की ओर अग्रसर हुआ। संसार के सभी जीवों के प्रति मानव के हृदय में प्रेम और करूणा के दिव्य भाव सुरक्षित रहें, शाकाहार का देशव्यापी प्रचार हो, इस भावना से ओतप्रोत यह नाटिका गौर-रक्षा, गौ-सेवा एवं गौ-संरक्षण पर केंद्रित थी। कई दृश्य हृदयस्पर्शी व मर्मभेदी थे। जियो और जीने दो के स्वर से पूरा सदन गुंजायमान हो रहा था। खचाखच भरे हुये सभागार में बैठे हुये दर्शकों का हृदय व आंखें दोनों द्रवित थीं। कार्यक्रम के तुरंत बाद कई दान-दातारों ने गौ-सेवा के पुनीत कार्य हेतु अपने सहयोग की घोषणा की। श्रीमती हीरामणि-सम्पतलाल छाबड़ा की प्रेरणा से इस कार्यक्रम को श्रीमती सुनीता-अजय बैनाड़ा ने अपनी कुशल लेखनी द्वारा गीत, पटकथा व संवाद से सजाया एवं श्रीमती ममता-विनीत पाटनी के सक्षम निर्देशन में कार्यक्रम की सम्मोहक एवं भव्य प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के सभी गीतों का गायन तथा नाटिका में भाग लेने वाले 100 से अधिक पात्र कोलकाता जैन समाज के अपने ही लोग थे। पारस चैनल पर इस कार्यक्रम की लाइव प्रस्तुति हुई, जिसे देश भर के जैन ही नहीं, जैनेतर समाज ने भी सराहा।

इस आयोजन में जैन गजट के राष्ट्रीय संवाददाता श्री शेखरचन्द जी पाटनी ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चरणों में विश्व जनमत की भावना व्यक्त की जिसे सुनकर उपस्थित समुदाय गद्गद् हो गया।

लाल मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव सम्पन्न

गौरव पाटोदी, संवाददाता

हैदराबाद। श्री महावीर दिगम्बर जैन लाल मंदिर चादरघाट हैदराबाद में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल में राजकुमार पाण्ड्या, संजय जैन, सुरेश बड़जात्या, अक्षय बाकलीवाल, नीतिन काला, मनीष चांदुवाड़, विशाल बाकलीवाल आदि भक्तों ने श्री पार्श्वनाथ भगवान का पंचामृताभिषेक एवं विश्व में शांति हेतु शांति संपन्न की। डॉ. विजय मीरा पाटोदी, राजकुमार सविता पाण्ड्या, सुरेश सुमन बड़जात्या, नितिन बरखा काला, अशोक संतोष बड़जात्या, सुभाष प्रेमलता पाण्ड्या, मुन्नाबाई चौधरी, विमला काला, निर्मला बाकलीवाल, मनोज अर्चना पाटनी, प्रवीण शर्मिला पाण्ड्या, छाया बाकलीवाल, राजकंवर भुता, प्रीति गांधी, विजय बाकलीवाल, किरण काला, निर्मला प्रताप रचना पाटनी, मनोज प्रतिभा बाकलीवाल, पदम ज्योति काला आदि अन्य भक्तों ने नित्य नियम पूजा करके श्री पार्श्वनाथ भगवान की पूजा तथा गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान कल्याणक के अर्घ्य चढ़ाकर पार्श्वनाथ स्त्रोत, निर्वाण काण्ड का वाचन करके श्री पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण लड्डू हर्षोल्लास पूर्वक चढ़ाया उसके पश्चात् सभी ने अर्घ्य चढ़ाये। कार्यक्रम पंडित फुलचंद जैन के देखरेख में संपन्न हुआ।

मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास से मनाया गया

जयपुर। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में भगवान श्री 1008 पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक भक्तिभाव से मनाया। भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक व शांतिधारा नवनिर्मित अमृत कुंड के शुद्ध जल से की गयी, शांतिधारा करने का सौभाग्य सुभाष-राजेश गर्ग व जे. के. जैन परिवार को मिला, इसके बाद 108 बार मंत्र जाप किया गया तथा भगवान पार्श्वनाथ की पूजन के बाद निर्वाण काण्ड बोलते हुये जयकारों के साथ सामूहिक रूप से निर्वाण लाडु चढ़ाया गया। मुख्य निर्वाण लाडु विनय, नवीन सेठी परिवार ने चढ़ाया।

निर्वाण लड्डू सजाओ प्रतियोगिता

शेखरचंद पाटनी, संवाददाता

देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला महासभा, किशनगढ़ इकाई द्वारा निर्वाण लड्डू सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अनेक प्रतियोगियों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार झलक चौधरी पत्नी श्री रिखम चौधरी, द्वितीय पुरस्कार मीनू अजमेरा पत्नी श्री अमित अजमेरा एवं तृतीय पुरस्कार पल्लवी गंगवाल पत्नी श्री पीयूष गंगवाल को प्राप्त हुआ। सनी पहाड़िया एवं नेहा कासलीवाल को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता की निर्णायक भूतपूर्व सभापति श्रीमती गुणमाला पाटनी रहीं। कायक्रम में महासभा की अध्यक्षा अनिता बाकलीवाल, मंत्री आभा पाटनी सहित अंजू गोधा, मंजू झांझरी ज्योति पाटोदी, शालू बज, विनिता कासलीवाल, रचना गंगवाल व अन्य सदस्यें उपस्थित रहीं।

निर्वाण महोत्सव संपन्न

अशोक जैन, संवाददाता

जतारा। अतिशयकारी श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जतारा में मुकुट सप्तमी के पावन दिवस पर 23वें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ का निर्वाण कल्याणक महोत्सव, श्रावकों द्वारा हर्षोल्लसपूर्वक, पारसनाथ विधान एवं निर्वाण लाडू समर्पित करके संपन्न किया गया। 4 अगस्त की प्रातःकालीन बेला में प्रातः 7 बजे पारसनाथ भगवान का जलाभिषेक सामूहिक रूप से श्रावकों द्वारा संपन्न किया गया इसके बाद नगर में विराजित परम पूज्य श्रमणाचार्य विभव सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य परम पूज्य मुनि आचरण सागर जी के मुखारविंद से संपूर्ण विश्व की शांति की भावना से शांतिधारा का वाचन किया गया। शांतिधारा करने का सौभाग्य संतोष कुमार माची एवं नरेंद्र कुमार चदेरा परिवार को प्राप्त हुआ तत्पश्चात् पारसनाथ पूजन, पारसनाथ विधान एवं निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। इस उपलक्ष्य में लाडू सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

उद्घाटन सम्पन्न

कोलकाता। 89 वर्ष प्राचीन निःशुल्क सेवा भावी संस्था श्री दिगम्बर जैन दातव्य औषधालय के जैन भवन 10ए, चितपुर स्पर रोड स्थित कार्यालय के नवीनीकृत सेवा केन्द्र का उद्घाटन15 अगस्त, 2022 को किया गया। उद्घाटनकर्ता श्रीमान् निर्मल-पुष्पा बिन्दायका (एवरग्रीन होजियारी) रहें।

पुणे गंज पेठ स्थित दिगम्बर जैन मंदिर का जीर्णोद्धार एवं भूमि पूजन

एम. सी. जैन, संवाददाता

चिकलठाणा (महाराष्ट्र)। पुणे शहर महाराष्ट्र का ही नहीं, भारतवर्ष का सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक केंद्र माना जाता है। डेढ़ सौ वर्ष पूर्व रविवार पेठ सर्राफ बाजार में सौन्यामारूती चौक, लक्ष्मी रोड से लगकर, शान्तीदास लक्ष्मण दास सराफनामक एक परिवार रहता था। इस परिवार ने लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व रविवार पेठ और गंज पेठ में भ. पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का निर्माण कर पुणे के इतिहास में एक प्रस्त जोड़ दिया, पुणे में तब खण्डेलवाल समाज के दो ही परिवार थे, गोधा का परिवार कस्बा पेठ में रहता था, सैतवाल समाज और हूम्बड समाज के भाविक दर्शन को आते थे। शान्तिदास, लक्ष्मनदास सराफ (कासलीवाल) परिवार के सेठ मोहनलाल जी उर्फ बाबूसेठ एवं सौ. कस्तुराबाई एवं कन्यालाल, जयकुमार सौ. शांता बाई, सौ. निर्मला ने मन्दिरों का रख-रखाव अच्छा रहा। अभी इस परिवार ने गंजपेठ (पुणे) भ. पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का जीर्णोद्धार करने की योजना बनाई तथा मंदिर समाज को अर्पित करने का महान कार्य किया। हाल ही में मंदिर जीर्णोद्धार एवं भूमि पूजन दिगम्बर जैनाचार्यो प्रणाम सागर जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। भ. पार्श्वनाथ जी की मूर्ति साढ़े चार सौ. वर्ष प्राचीन है। पुणे दिगम्बर जैन समाज की ओर से कासलीवाल परिवार का चांदी का सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पुणे शहर के दो सौ से अधिक मान्यवर उपस्थित थे।

भ. श्री नेमीनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस मनाया

जैन गजट सं.

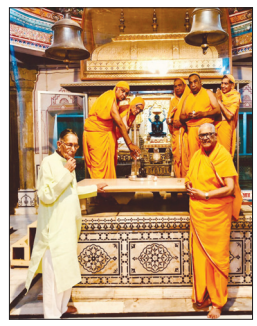

जयपुर। 03 अगस्त, 2022 को जयपुर के नजदीक आमेर की सुरम्य वादियों में स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनाथ (सांवला जी) आमेर में अति प्राचीन मूलनायक 1008 भगवान श्री नेमीनाथ जी का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा के उपरान्त भगवान श्री नेमीनाथ जी की पूजा अर्चना कर जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ चढ़ाये गये। कार्यक्रम में क्षेत्र कमेटी के सदस्य नरेश कुमार जी सेठी, पी. के. जैन अन्य मन्दिरान् समिति के सदस्य योगेश टोडरका, डा. राजेन्द्र कुमार जैन सहित प्रदीप ठोलिया, निर्मल संघी, सुरेन्द्र कुमार मोदी आदि धर्मावलंबी उपस्थित थे।

78 वर्ष की उम्र में भी साइकिल की यात्रा करते हैं बूंदी निवासी सोहनलाल जैन नौसंदा

रविन्द्र काला, संवाददाता, बूंदी

बूंदी, 10 अगस्त। हजारों किलोमीटर की साइकिल यात्रा कर चुके सेवानिवृत्त अध्यापक सोहनलाल जैन नौसंदा आज इस उम्र में भी अपने अच्छे स्वास्थ्य का राज साइकिल चलाने को मानते हैं। लंकागेट निवासी 78 वर्षीय सोहनलाल जैन नौसंदा आज भी प्रतिदिन 5 से 7 किमी की दूरी साइकिल से तय करते हैं। वह नित्य लंकागेट से तम्बोलियों की गली तक जैन मंदिर में पूजा प्रक्षाल हेतु साइकिल चलाकर ही जाते हैं। नौसंदा ने बताया कि साइकिल चलाने से ताजगी बनी रहती है और पाचन क्रिया भी सही बनी रहती है। इसके चलते आज भी मैं अपने को पूरी तरह से स्वस्थ महसूस करता हूं।उन्होंने जैन गजट को बताया कि सन् 1960 से नियमित रूप से साइकिल चला रहा हूं। मुझे अध्यापक के पद पर सन् 1964 में नियुक्ति मिली। मैंने शिक्षण कार्य हेतु बूंदी जिले के गोपालपुरा बरड, सरस्वती का खेड़ा, दौलाड़ा, सांकरदा एवं भंवरदा में साइकिल से जाकर अध्यापन का कार्य कराया। वह मानते हैं कि अब तक 50 से 60 हजार किमी तक की साइकिल चला चुका हूं। वह बताते हैं कि आज के व्यक्ति थोड़ी दूरी पर भी पैदल नहीं चलना चाहते और साइकिल से भी दूर होते जा रहे हैं। इस कारण से पेट्रोल-डीजल वाहन बड़ी संख्या में चल रहे हैं जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है।

भारतीय ज्ञानपीठ की मूर्तिदेवी ग्रन्थमाला
(जैन धर्म) की पुस्तकें लोदी रोड, नई दिल्ली पर उपलब्ध

भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित मूर्तिदेवी ग्रन्थमाला के अन्तर्गत जैन धर्म की धार्मिक और सांस्कृतिक पुस्तकों का प्रकाशन एवं बिक्री का कार्य यथावत् किया जा रहा है। ये सभी पुस्तकें हमारे कार्यालय 18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 (साई बाबा मंदिर के ठीक पीछे, समीपतम मेट्रो स्टेशन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम) में उपलब्ध हैं। कृपया खरीदारी के इच्छुक व्यक्तिगत् रूप से या अपनी संस्थाओं के माध्यम से यहीं सम्पर्क करें। हमारी और कोई शाखा नहीं है।

डाक से पुस्तकें मंगाने के लिए हमारी ई-मेल
sales@jnanpith.net पर अपने आर्डर भेजे।
फोन नं.- 9910076039 (Whatsapp) 9350536020
(Whatsapp) 7060665021 (Whatsapp) ID :
011- 41523423, 24626467

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

From-
If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 7880978415, 9415108233, 7505102419 **Web site-** Jaingazette.com
email- jaingazette2@gmail.com **whatsapp** 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)
वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

Printed and published by SUDHESH KUMAR JAIN on behalf of SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA and printed at The Indian Express Pvt. Ltd. C 26 Amousi industrial area Lucknow Uttar pradesh and published at Nandiswar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, Lucknow-226004 Uttar pradesh Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।